34. डायरी-लेखन

डायरी-लेखन एक कलात्मक विधा है। इसमें हम अपने जीवन के अच्छे-बुरे सभी प्रकार के भावों को लिख सकते हैं। इसे दैनंदिनी भी कहते हैं। डायरी में हम प्रतिदिन घटित घटनाओं को लिखते हैं। इससे हमारा मानसिक विकास होता है साथ ही साथ सृजनात्मकता में वृद्धि होती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को डायरी-लेखन के विषय के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ उन्हें डायरी-लेखन की परिभाषा बताएँ।
- ❖ डायरी लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इससे अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 261-262 पर दिए गए उदाहरणों को पढ़वाएँ।
- ❖ ध्यान दें कि सभी छात्र विषय भली-भाँति समझ गए हैं।
- ❖ छात्रों को डायरी लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ दिया गया अभ्यास करवाएँ। आवश्यकतानुसार सहायता करें।